

Demand to give benefit to villagers by putting closed and abandoned coal mines in use

श्रीमती महुआ माजी (झारखंड): उपसभाध्यक्ष महोदय, झारखंड में रामगढ़, कुजू, भुरकुंडा व अन्य इलाकों में ऐसे ओपेन कास्ट माइंस हैं, जहां से कोयला निकाला जा चुका है और खनन की प्रक्रिया बंद होने के बाद वे खदान परित्यक्त होकर वर्षों से बेकार पड़े हैं। इससे सरकार की सैकड़ों एकड़ बहुमूल्य ज़मीन बर्बाद हो रही है। वे परित्यक्त खदान बारिश के पानी से तालाब बन जाते हैं। अक्सर उनमें नहाते वक्त गहराई का पता न लगने से डूब कर गांव वालों की मौत होती है। खुले परित्यक्त खदान स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक होते हैं। कोयले की धूल से पर्यावरण प्रदूषित होता है, प्रदूषित पानी के इस्तेमाल से पेड़ पौधों, जीव-जंतुओं, कीड़े-मकोड़ों, मछली आदि को नुकसान पहुंचता है। पीने या खेती में इस्तेमाल करने पर लोग बीमार पड़ते हैं। बंद हो चुके खदानों के इलाके में वैसे भी बेरोज़गारी ज्यादा होती है।

केंद्र सरकार चाहे तो इन परित्यक्त खदानों का इस्तेमाल इलाके की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में कर सकती है। चूंकि ये अबैन्डेन्ड ओपेन कास्ट माइंस सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधीन आते हैं, इसलिए कंपनी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर ग्रामीणों को वहां से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा सकती है। उसका उपयोग सिंचाई के लिए भी किया जा सकता है।

Fisheries Department मछली पालन द्वारा रोज़गार सृजन कर सकती है। नये उद्योग लाकर उस जल का उपयोग इंडस्ट्रियल परपज़ में भी किया जा सकता है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से इन खदानों की फेंसिंग करनी चाहिए। वृक्षारोपण द्वारा कोयले के खतरनाक डस्ट से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम किया जाना चाहिए।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि वह इस पर ध्यान दे।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI RAJEEV SHUKLA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by hon. Member, Shrimati Mahua Maji: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjana Bishi (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhatisgarh) and Shri Sant Balbir Singh (Punjab).

Request for establishment of Aviation Varsity in Hyderabad

DR. K. LAXMAN (Uttar Pradesh): Sir, this is a request for establishment of an Aviation Varsity in Hyderabad. Hyderabad is the sixth largest metropolitan in India, Known for its rich history, culture, varied heritage in arts, crafts, and dance, it is also known as the 'city of pearls'. Hyderabad has several defence, educational, legal, agricultural, training, research and development institutes. The city has 17